साइंस एक्सप्रेस क्लाइमेट एक्शन स्पेशल II

साइंस एक्सप्रेस एक विशेष रूप से बनाई गई 16 कोच की वातानुकूलित ट्रेन पर स्थापित एक अभिनव चलनशील प्रदर्शिनी है, जो अक्टूबर 2007 से समस्त भारत में भ्रमण कर रही है। इस अद्‌वितीय प्रदर्शिनी की शुरुआत अक्टूबर 2007 मे विज्ञान और प्रौद्‌योगिकी विभाग के सौजन्य से हुई थी और तब से इसने पूरे भारत की 1,45,000 किलो मिटर की यात्रा 8 चरणों मे पूरी की है। इस विज्ञान प्रदर्शिनी को इसके 465 पड़ाव पर लोगों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। मूलतः हर स्टेशन पर यह 3-4 दिन रुकती है, और अभी तक के इसके 1631 दिनों की परदर्शिनी में लगभग 1.58 करोड़ से भी ज़्यादा लोगों ने देखा है, जिसमें मुख्यत: छात्र एवं और शिक्षक शामिल हैं। इस प्रकार साइंस एक्सप्रेस ने, भारत की सबसे बड़ी, सबसे लंबे समय तक चलने वाली तथा सबसे ज़्यादा लोगों द्‌वारा देखी गई गतिशील विज्ञान प्रदर्शिनी होने का कीर्तिमान स्थापित किया है। इसके अतिरिक्त अपने आठ चरणों में साइंस एक्सप्रेस ने लिम्का बुक में छह प्रविष्टियों सहित और भी कई उपलब्धियां प्राप्त की हैं।

साइंस एक्सप्रेस ने अपने प्रथम चार चरणों में विज्ञान और प्रौद्‌योगिकी के क्षेत्र में, दुनिया भर में किए गए अत्याधुनिक अनुसंधान को प्रदर्शित किया था। इसके बाद पांचवे से सातवें चरण मे साइंस एक्सप्रेस ने 'साइंस एक्सप्रेस बायो डाइवरसिटी स्पेशल (एस.ई.बी.एस.)' के स्वरूप मे भारत की जैव विविधता एवं उसके संरक्षण की ज़रूरतों को दर्शाया था। 2015 में साइन्स एक्सप्रेस को इसके आठवें चरण में जलवायु परिवर्तन विषय पर एक नया स्वरूप दिया गया था और तब से यह 'साइंस एक्सप्रेस क्लाइमेट एक्शन स्पेशल (एस.ई.सी.ए.एस.)' के रूप में भारतीय रेल नेटवर्क पर भ्रमण कर रही है।

एस.ई.सी.ए.एस. के दूसरे (एस.ई.सी.ए.एस. II) एवं साइन्स एक्सप्रेस के नौवें चरण को दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से माननीय रेल मंत्री, श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु, माननीय विज्ञान एवं प्रौद्‌योगिकी मंत्री, डॉ. हर्षवर्धन एवं माननीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री, श्री अनिल माधव दवे ने 17 फ़रवरी 2017 को हरी झंडी दिखा कर रवाना की। इस चरण में यह ट्रेन 17 फ़रवरी से 08 सितंबर 2017 तक 68 स्थलों की यात्रा करेगी। प्रत्येक स्थल पर यह अमूमन 3 - 4 दिन रुकेगी, जिस दौरान लोग इस प्रदर्शिनी को देख सकते हैं।

एस.ई.सी.ए.एस. II, भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्‌योगिकी विभाग (डी.एस.टी.), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, रेल मंत्रालय एवं भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यू.आई.आई) तथा विक्रम ए साराभाई कम्यूनिटी साइंस सेंटर का अनूठा सहयोगात्मक पहल है।

जलवायु परिवर्तन हमारे पर्यावरण के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है जिसका अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन प्रभाव है जिसमे मौसम में परिवर्तन जो हमारे खाद्‌य उत्पादन के लिए एक गहरा संकट उत्पन कर रहा है, ग्लेशियर के पिघलने से बढ़ता समुद्र जल स्तर, जो प्रलयकारी बाढ़ की संभावना को बढ़ा रहा है, इत्यादि शामिल है, जिनके प्रभावों का दायरा वैश्विक और अभूतपूर्व है, साथ ही साथ गरीब

और हाशिए में आने वाले लोगों को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। दुर्भाग्यवश, जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों के बारे में लोगों को बहुत कम जानकारी एवं समझ है।

वर्ष 2015 दिसम्बर में पेरिस में हुई सीओपी की 21वीं बैठक में कार्बन उत्सर्जन में कटौती के जरिये वैश्विक तापमान में वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस के अंदर सीमित रखने और 1.5 डिग्री सेल्सियस के आदर्श लक्ष्य को लेकर एक व्यापक सहमति बनी थी। इस बैठक के बाद आए सीओपी-21 समझौता जिसे पेरिस समझौता, भी कहा जाता है, 4 नवम्बर, 2016 को औपचारिक रूप से अस्तित्व में आ चुका है। पेरिस समझौते के पक्षकारों की पहली बैठक जिसे सीएमए 1 भी कहा जाता है, माराकेश, मोरक्को में 2016 नवम्बर, में सीओपी-22 के साथ संयोजित किया गया था। सीएमए 1 में सभी देशों ने ग्लोबल वॉर्मिंग से लड़ने को प्राथमिकता देने की बात कही और ये भी माना गया है कि धरती बहुत तेज़ी से गरम हो रही है, जिससे हालात चिंताजनक बने हुए हैं। सीएमए 1 ने यह उम्मीद जगाई की पेरिस समझौते का कार्यान्वयन चल रहा है और जलवायु परिवर्तन पर बहुपक्षीय सहयोग की रचनात्मक भावना जारी है।

इस संदर्भ मे एस.ई.सी.ए.एस. II की अत्याधुनिक प्रदर्शिनी का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन एवं उनसे जुड़े विषयों पर लोगों में व्यापक जागरूकता पैदा करना है। यह प्रदर्शिनी एक विस्तृत शृंखला के आगंतुकों के लिए बनाई गई है जिसमे मुख्यतः स्कूलों एवं कालेजों के छात्रों शिक्षक शामिल हैं। इस प्रदर्शिनी के माध्यम से लोगों को यह बताने का प्रयास किया गया है की जलवायु परिवर्तन की समस्या को किस प्रकार से अल्पीकरण एवं अनुकूलन द्वारा रोका जा सकता है।

साइंस एक्सप्रेस के 16 कोचों मे से 8 को भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रदर्शिनी स्थापित की गयी है जिसमे जलवायु परिवर्तन के विविध पहलुओं पर सूचना, केस अध्ययन और समस्याओं को प्रदर्शित किया गया है एवं इस विषय का बुनियादी विज्ञान, जलवायु प्रभाव, इसके अनुकूलन एवं, अल्पीकरण के समाधान और नीतियों के दृष्टिकोण को बेहद सरल और रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। कोच 9-11 में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदर्शनी स्थापित की गयी है। भारत के विभिन्न अनुसंधान संस्थानो द्वारा वन्य जीवन एवं प्रकृति संरक्षण, खास तौर पर कछुया, प्रवाल भिति, उभयचर संरक्षण के विषय मे हो रहे कार्यों को दर्शाया गया है। साथ ही भारत मे जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र मे हो रहे विकास, भारत मे विज्ञान शिक्षण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की छात्रवृतियों इत्यादि विषयो को दर्शाया गया है।

साइंस एक्सप्रेस मे कक्षा 3-5 के छात्रों के लिए किड्स जोन नमक एक कोच है। इस कोच में छात्रों को दिमागी कसरत कराने वाले एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने वाले खेल खेलने तथा विज्ञान एवं गणित के मॉडेल्स बनाने का अवसर प्राप्त होता है। इसके अलावा लोकप्रिय वी.ए.एस.सी.एस.सी. जॉय ऑफ साइन्स प्रयोगशाला को एक अन्य कोच में स्थापित किया गया है। इस प्रोगशाला में छात्र विभिन्य प्रयोगों और गतिविधियों द्वारा एक रोचक ढंग से जैव-विविधता, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण, विज्ञान

और गणित की अवधारनाओं को समझ सकते हैं। साथ ही, पर्यावरण, विज्ञान और गणित के शिक्षकों के क्षमता निर्माण के लिए एक चर्चा-सह-प्रशिक्षण केंद्र की सुविधा भी ट्रेन में प्रदान की गई है।

एस.ई.सी.ए.एस. II के हर पड़ाव पर इस तरह की गतिविधियों का नियोजन किया गया है जिससे हर उम्र के लोगों तक इसका संदेश पहुंचे। इनमें स्थानिय स्कूलों तथा संस्थानों में होने वाले आउटरिच प्रोग्राम एवं आगंतुकों के लिए रेलवे प्लैटफ़ार्म पर होने वाले मनोरंजक गतिविधियां शामिल हैं।

भारत भर में एस.ई.सी.ए.एस. II के प्रबंधन का कार्य वी.ए.एस.सी.एस.सी को सौंपा गया है। वी.ए.एस.सी.एस.सी की टीम के प्रशिक्षित एवं प्रेरित साइन्स कम्यूनिकेटर्स, ट्रेन के साथ यात्रा करते हैं, वो आगंतुकों को प्रदर्शिनी का वर्णन करते हैं, उनके प्रश्नों का जवाब देतें हैं तथा उसके पूरक गतिविधियों का संचालन करते हैं। यह प्रदर्शिनी सभी के लिए खुली है, विशेष रूप से छात्रों एवं शिक्षकों के लिए। अधिक जानकारी www.sciencexpress.in पर उपलब्ध है।

प्रदर्शिनी में आने के लिए या अधिक जानकारी के लिए आप sciencexpress@gmail.com पर ई-मेल कर सकतें हैं या ट्रेन पर प्रोजेक्ट मैनेजर को फोन कर सकतें हैं (मोबाइल: 09428405407)। स्कूली छात्र 20 के समूह में पूर्व रजिस्ट्रेशन द्वारा जॉय ऑफ साइन्स लैब (JOS) में हिस्सा ले सकते हैं। JOS में हिस्सा लेने के लिए vascsc.jos@gmail.com पर ई-मेल करें या लैब इंचार्ज को फोन करें (मोबाइल नंबर: 09428405408)।

साइंस एक्सप्रेस की टीम सभी संबन्धित विभागों, मीडिया, संस्थानों तथा अन्य सभी से इस प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए सहयोग चाहती हैं, ताकि बड़ी संख्या में दर्शक इसका लाभ उठा सके और इस कार्यक्रम को भव्य सफलता प्राप्त हो सके।

कृपया नोट करें :

- प्रदर्शिनी सभी के लिए खुली हैं एवं प्रवेश के लिए कोई शुल्क नहीं हैं
- वस्तुएँ जो साइंस एक्सप्रेस पर लाना माना हैं: मोबाइल, कैमेरा, बैग, माचिस, सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू, पानी की बोतल, किसी भी प्रकार के तरल पदार्थ, नुकीली वस्तुएँ
- स्थल: संबंधित शहर का रेलवे स्टेशन
- प्रदर्शनी समय: प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक
- ट्रेन के सभी पड़ावों की तारीख के विषयी में जानने के लिए कार्यक्रम की सूची देखें

साइन्स एक्सप्रेस क्लाइमेट एक्शन स्पेशल II

कार्यक्रम

(17 फ़रवरी से 08 सितंबर 2017)

क्रमांक	स्टेशन	प्रदर्शनी की तारीख		क्रमांक	स्टेशन	प्रदर्शनी की तारीख
1.	दिल्ली सफदरजंग	17 फ़रवरी 2017		35.	कोत्तवलसा	20 - 23 मई 2017
2.	दिल्ली छावनी	18 - 19 फ़रवरी 2017		36.	गुड़िवाडा	24 - 26 मई 2017
3.	हिसार	20 - 23 फ़रवरी 2017		37.	मिर्यालगूड़ा	27 - 30 मई 2017
4.	धुरी	24 - 26 फ़रवरी 2017		38.	गुलबर्गा	31 मई - 02 जून 2017
5.	तरण तारण	27 - 28 फ़रवरी 2017		39.	कल्लुरु	03 - 05 जून 2017
6.	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	01 - 02 मार्च 2017		40.	व्हाइट फ़ील्ड	06 - 08 जून 2017
7.	उधमपुर	03 - 04 मार्च 2017		41.	कैंगेरि	09 - 11 जून 2017
8.	नंगल डैम	06 - 07 मार्च 2017		42.	कोडुरु	12 - 14 जून 2017
9.	सरहिंद	08 - 10 मार्च 2017		43.	पुदुच्चेरी	15 - 16 जून 2017
10.	चंडीगढ़	12 & 14 मार्च 2017		44.	आत्तूर	17 - 19 जून 2017
11.	रामपुर	15 - 17 मार्च 2017		45.	करूर	20 - 22 जून 2017
12.	कासगंज सिटि	18 - 20 मार्च 2017		46.	कोड्डेकानल रोड	24 जून 2017
13.	खलीलाबाद	22 - 25 मार्च 2017		47.	विरूढुनगर	25 - 27 जून 2017
14.	मऊ	26 - 29 मार्च 2017		48.	आरुमुगनेरी	28 - 30 जून 2017
15.	गया	30 - 31 मार्च 2017		49.	कायमकुलम	01 - 04 जुलाई 2017
16.	पटना	01 - 02 अप्रैल 2017		50.	गुरुवायुर	05 - 07 जुलाई 2017
17.	किऊल	03 - 04 अप्रैल 2017		51.	कण्णूर	08 - 10 जुलाई 2017
18.	सीतामढ़ी	05 अप्रैल 2017		52.	वास्को-द-गामा	11 - 13 जुलाई 2017
19.	समस्तीपुर	06 अप्रैल 2017		53.	रत्नागिरी	14 - 17 जुलाई 2017
20.	सालमारी	07 - 08 अप्रैल 2017		54.	मुम्बई सीएसटी	19 - 22 जुलाई 2017
21.	फ़कीराग्राम	09 - 10 अप्रैल 2017		55.	नासिक रोड	24 - 26 जुलाई 2017
22.	लामडिंग	11 - 12 अप्रैल 2017		56.	मूर्तिजापूर	27 - 29 जुलाई 2017
23.	अगरतला	13 - 14 अप्रैल 2017		57.	नागपुर	30 जुलाई - 02 अगस्त 2017
24.	बदरपुर	15 - 17 अप्रैल 2017		58.	आमला	03 - 06 अगस्त 2017
25.	नॉर्थ लखीमपुर	19 - 21 अप्रैल 2017		59.	हबीबगंज	07 - 09 अगस्त 2017
26.	रंगापाड़ा नॉर्थ	22 - 24 अप्रैल 2017		60.	बीना	10 - 12 अगस्त 2017
27.	बागडोगरा	25 - 26 अप्रैल 2017		61.	खजुराहो	13 - 14 अगस्त 2017
28.	धनबाद	28 - 30 अप्रैल 2017		62.	मारवाड़	17 - 18 अगस्त 2017
29.	बैरकपुर	01 - 02 मई 2017		63.	बालोतरा	19 - 21 अगस्त 2017
30.	कल्याणी	03 - 05 मई 2017		64.	दीसा	22 - 24 अगस्त 2017
31.	चान्डिल	06 - 08 मई 2017		65.	भुज	25 - 27 अगस्त 2017
32.	भद्रक	09,11-12 मई 2017		66.	भक्तिनगर	28 - 31 अगस्त 2017
33.	पूरी	13 - 16 मई 2017		67.	गोंडल	01 - 04 सितंबर 2017
34.	छतरपुर	17 - 19 मई 2017		68.	गांधीनगर केपीटल	05 - 08 सितंबर 2017

नोट : कार्यक्रम मे बदलाव हो सकता है

19 मार्च 2017